DR. T.N. SEEMA (Kerala): Sir, I associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRI SHIVANAND TIWARI (Bihar): Sir, I associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRIMATI VASANTHI STANLEY (Tamil Nadu): Sir, I associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRI HUSAIN DALWAI (Maharashtra): Sir, I associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRI RAM KRIPAL YADAV (Bihar): Sir, I associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRI SANJAY RAUT (Maharashtra): Sir, I associate myself with the mention made by the hon. Member.

DR. BHARATKUMAR RAUT (Maharashtra): Sir, I associate myself with the mention made by the hon. Member.

Problems being faced by Hindus residing in Pakistan

श्री अविनाश राय खन्ना (पंजाब) : सर, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय की ओर आकर्षिक करना चाहता हूं। सर, यह बहुत ही अमानवीय ढंग से पाकिस्तान में minorities पर और खास तौर हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का मामला है और इस मामले में सरकार की चुप्पी, वहां के लोगों और यहां रह रहे लोगों के मन में शंका पैदा कर रही है।

सर, आज तक ऐसा कभी नहीं हुआ कि किसी हिंदू को इस्लाम में convert किया जाए और वहां के TV channel पर उसका live telecast दिखाया जाए। सर, कल मेरा कनाडा के एक रेडियो पर interview हुआ, जिसमें मुझसे लोगों ने क्वैश्चंस पूछे कि भारत इस मामले में क्या कर रहा है जबकि वहां सरेआम एक हिंदू को मुसलमान बनाकर और सिर्फ बनाकर ही नहीं बल्कि उसका live telecast किया गया है।

सर, यह हमारे sentiments को बहुत बड़ा धक्का है और यह एक अमानवीय घटना भी है। सर, इतना ही नहीं वहां सिंध के जकोबाबाद में एक 14 वर्ष की बच्ची, जो कि अभी बड़ी हो रही थी, उसको kidnap कर के convert किया गया और फिर उसकी शादी जबर्दस्ती एक मुस्लिम परिवार में हुई। सर, ये वहां पर रोज होने वाली घटनाएं हैं। वहां पर इतनी insecurity पैदा हो गई है। सर अभी एक और चर्चा सदन में हुई है। न तो कोई अपना घर छोड़ना चाहता है और न कोई अपना बिजनेस छोड़ना चाहता है, लेकिन वहां से रोज 20-30 फेमिलीज पाकिस्तान को छोड़ हिन्दुस्तान आ रही हैं। सर, अभी कुछ दिन पहले वहां से 33 दिन का वीजा लेकर कुछ लोग वाघा बॉर्डर पहुंच गए और ढाई बजे तक उन लोगों को इंडिया में enter नहीं करने दिया गया। सब से पहले उनसे लिखवाया गया कि अगर आप हिन्दुस्तान में जाओगे, तो पाकिस्तान के खिलाफ एक भी शब्द नहीं बोलोगे, अगर वहां जाओगे तो आपको वापस आना होगा। अगर आपने पाकिस्तान के खिलाफ एक भी शब्द बोला तो जब आप यहां आओगे तो आपका जो हश्र करेंगे, वह आप जानते हैं। उन लोगों ने लिखकर दिया कि हम पाकिस्तान के खिलाफ कोई बात नहीं कहेंगे। हमारा 33 दिन का वीजा है और हम

[श्री अविनाश राय खन्ना]

जिस धार्मिक स्थान पर जाना चाहते हैं, वहां से होकर पाकिस्तान आएंगे, लेकिन जब उन लोगों ने वाघा बॉडर क्रॉस किया तो उन लोगों के मन में एक डर था। वह हमारी सरकार की तरफ देख रहे थे और सोच रहे थे कि हम वहां अपना घर छोड़कर अपना धर्म बचाकर आए हैं, अपनी जान बचाकर आए हैं, तो यहां की सरकार हमें कैसे receive करती है? सर, वहां के एक 14-15 साल के लड़के अक्षय का interview हुआ जिसमें उसने रो-रोकर कहा कि मैं जिंदा रहना चाहता हूं, मैं पढ़-लिखकर अच्छा इंसान बनाना चाहता हूं। कृपया मुझे हिन्दुस्तान की धरती पर शरण दीजिए, मुझे वहां मरने मत दीजिए।...

उपसभाध्यक्ष (प्रो. पी.जे. कुरियन) : आपका टाइम खत्म हो गया। अब रिकॉर्ड में नहीं जाएगा...**(व्यवधान)**... अब रिकॉर्ड में नहीं आ रहा है।

श्री रवि शंकर प्रसाद (बिहार) : सर, मैं एसोसिएट करता हूं।...**(व्यवधान)**...

DR. NAJMA A. HEPTULLA (Madhya Pradesh): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Avinash Rai Khanna.

SHRI ANIL MADHAV DAVE (Madhya Pradesh): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Avinash Rai Khanna.

SHRI V.P. SINGH BADNORE (Rajasthan): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Avinash Rai Khanna.

श्री प्रकाश जावडेकर (महाराष्ट्र) : सर, मैं एसोसिएट करता हूं।...**(व्यवधान)**...

श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी (गुजरात) : सर, मैं एसोसिएट करती हूं।

श्री मुख्तार अब्बास नक़वी (उत्तर प्रदेश) : सर, मैं एसोसिएट करता हूं।

श्री संजय राउत (महाराष्ट्र) : सर, मैं एसोसिएट करता हूं।

श्री बसावाराज पाटिल (कर्णाटक) : सर, मैं एसोसिएट करता हूं।

श्री कप्तान सिंह सोलंकी (मध्य प्रदेश) : सर, मैं एसोसिएट करता हूं।

SHRI SANJAY RAUT (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Avinash Rai Khanna.

DR. BHARATKUMAR RAUT (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Avinash Rai Khanna.

श्री रवि शंकर प्रसाद : सर, हम सब एसोसिएट कर रहे हैं...**(व्यवधान)**...

SHRI N.K. SINGH (Bihar): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Avinash Rai Khanna.

SHRI M. RAMA JOIS (Karnataka): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Avinash Rai Khanna.

Serial bomb blasts in Pune

श्री प्रकाश जावडेकर (महाराष्ट्र) : उपसभाध्यक्ष महोदय, अभी नॉर्थ-ईस्ट के बारे में चर्चा हुई, जिसमें पुणे का भी जिक्र हुआ। पुणे आज आतंक का एक नया ठिकाना बन रहा है, यह एक गंभीर चेतावनी है। देश भर में नॉर्थ-ईस्ट के स्टुडेंट्स को कहीं पीटा नहीं गया, लेकिन पुणे में 12 लड़कों को पीटा गया। ऐसे ही वहां एक अगस्त को पांच सिलसिलेवार धमाके हुए। चूंकि इसमें लोगों की जान नहीं गई, कोई मरा नहीं, कोई हताहत नहीं हुआ, इसलिए इसकी चर्चा कम हुई, लेकिन इसको कम नहीं आंकना चाहिए, क्योंकि यह एक आतंकी हमला था। इस आतंकी हमले को लेकर पुलिस और शहर की सारी प्रशासनिक व्यवस्था की काफी फजीहत हुई, क्योंकि वहां जो सीसीटीवी थे वे चल नहीं रहे थे, जो आवश्यक उपाय होने चाहिए थे वे नहीं थे, जो डिसास्टर मैनेजमेंट होता है वह ठिकाने पर नहीं था। पुलिस के अधिकारियों ने तो यहां तक कहा कि यह छोटी-मोटी घटना है, लेकिन इस बात को समझना चाहिए कि ये बम कम ताकत के नहीं थे, क्योंकि जो असली बम थे वे फटे नहीं, इसलिए ये धामके कम ताकत के लगे। ये पांचों बम ज्यादा ताकत के थे और जो भारत में विभिन्न जगहों पर पहले ऐसे विस्फोट हुए हैं, उससे मेल खात थे, जिसमें इंडियन मुजाहिदीन वगैरह का हाथ था। बहुत जगहों पर जो पहले बम विस्फोट हुए, ये वैसे ही बम थे। आतंकियों का यह दुर्भाग्य था और वहां के लोगों का अच्छा नसीब था, जो वे बम फटे नहीं। यह बम का मसला आतंकी हमला है, यह कोई छोटी-मोटी घटना नहीं है। इसलिए हमें इस भ्रम में नहीं रहना चाहिए कि वह छोटा सा हादसा था, जो हो गया। पहली मांग मैं यह करता हूं कि हमें यह बताया जाए कि इसकी इन्वेस्टीगेशन कहां तक पहुंची?

उपसभाध्यक्ष जी, पुणे की एक दूसरी घटना में जर्मन बेकरी में बम विस्फोट हुए, जिसमें लोग मरे, कुछ गंभीर घायल हुए, लेकिन उसके कसूरवार कौन है, दोषी कौन हैं, तीन साल के बाद भी यह सामने नहीं आया। चूंकि उसकी जांच पूरी नहीं हुई और इस कारण सही गुनाहगार अभी तक कानून की गिरफ्त में नहीं हैं। यहां हमारी इन्वेस्टीगेशन की फेल्योर है। आज मुझे यही लगता है कि इन पांच सिलसिलेवार धमाकों की भी सही जांच नहीं होगी और फिर सही गुनाहगार नहीं मिल सकेंगे। होम मिनिस्ट्री के पास रिपोर्ट है, जांच एजेंसियों के पास भी जानकारी है कि पुणे में आतंकियों के स्लीपर मॉड्युल्स हैं। यह आतंक का एक नया ट्रेनिंग सेंटर बन गया है और वहां पुणे की सिक्युरिटी के लिए एक बहुत बड़ा खतरा पैदा हो गया है।...

उपसभाध्यक्ष (प्रो. पी.जे. कुरियन) : जावडेकर जी, टाइम हो गया। रिकॉर्ड में नहीं आएगा। बैठिए।

श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी (गुजरात) : सर, मैं एसोसिएट करती हूं।

श्री कप्तान सिंह सोलंकी (मध्य प्रदेश) : सर, मैं एसोसिएट करता हूं।

श्री बसावाराज पाटिल (कर्णाटक) : सर, मैं एसोसिएट करता हूं।

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): Now, hon. Members, I have got 32 Special Mentions. I am now going to call the names. Those who want to lay on the Table can do so now and those who want to read the Special Mentions can do so immediately before the House adjourns today. Now, I am going to call the names.